माँ गंगा आरती

ॐ जय गंगे माता, श्री जय गंगे माता।
जो नर तुमको ध्यावत, मनवांछित फल पाता॥
ॐ जय गंगे माता, मैया जय गंगे माता।

चन्द्र सी ज्योति तुम्हारी, जल निर्मल आता।
शरण पड़े जो तेरी, सो नर तर जाता॥
ॐ जय गंगे माता, मैया जय गंगे माता।

पुत्र सगर के तारे, सब जग की ज्ञाता।
कृपा दृष्टि तुम्हारी, त्रिभुवन सुख दाता॥
ॐ जय गंगे माता, मैया जय गंगे माता।

एक ही बार जो तेरी, शरणागति आता।
यम की त्रास मिटाकर, परमगति पाता॥
ॐ जय गंगे माता, मैया जय गंगे माता।

आरती माता तुम्हारी, जो जन नित गाता।
दास वही सहज में, मुक्ति को पाता॥
ॐ जय गंगे माता, मैया जय गंगे माता।

ॐ जय गंगे माता, श्री जय गंगे माता।
जो नर तुमको ध्यावत, मनवांछित फल पाता॥
ॐ जय गंगे माता, मैया जय गंगे माता।

---

[1] सौजन्य से:

धर्मयात्रा **(DharmYaatra)**

वेबसाइट: https://dharmyaatra.in/

व्हाट्सऐप नंबर: +917410957600

नोट: यदि आप वैदिक ज्ञान 🔱, धार्मिक कथाएं 🕉️, मंदिर व ऐतिहासिक स्थल 🛕, भारतीय इतिहास, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य 🧠, योग व प्राणायाम 🧘‍♂️, घरेलू नुस्खे 🥥, धर्म समाचार 📰, शिक्षा व सुविचार 👣, पर्व व उत्सव 🪔, राशिफल 🌌 तथा सनातन धर्म की अन्य धर्म शाखाएं ☸️ (जैन, बौद्ध व सिख) इत्यादि विषयों के बारे में प्रतिदिन कुछ ना कुछ जानना चाहते हैं तो आपको धर्मयात्रा संस्था के विभिन्न सोशल मीडिया खातों से जुड़ना चाहिए। उनके लिंक हैं:

व्हाट्सएप ग्रुप व्हाट्सएप चैनल

फेसबुक पेज इंस्टाग्राम प्रोफाइल